# वह साँप

**क्र.1. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**उत्तर:** वह जहरीला है।

**क्र.2. आकृति पूर्ण कीजिए:**

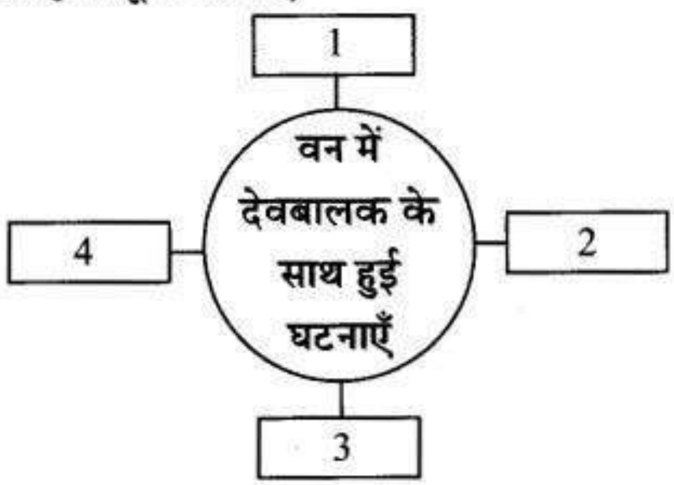


**उत्तर:** 1. देवबालक किलकारी मारता हुआ उछलता चला जा रहा था।

2. उसका पैर साँप की पूँछ पर पड़ गया।
3. साँप को गुस्सा आ गया।
4. साँप ने देवबालक को काट लिया।

**कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:**

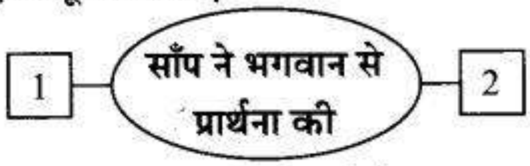


**उत्तर:** 1. हे भगवान! मेरा जहर मुझमें से तू निकाल ले।

2. हे भगवान! तू मेरे जहर के दाँत निकाल ले।

**कृ.4. एक शब्द में उत्तर लिखिए:**

1. साँप बहुत था
2. देवबालक बहुत था
3. साँप के काटने से बालक की निकल गई
4. साँप बालक के चारों ओर घेरकर बैठा रहा

**उत्तर:** 1. जहरीला 2. सुंदर

3. जान 4. कुंडलाकार

**कृ.5. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए:**

1. देवबालक को किसी _______ की आशंका न थी।
(दुर्घटना, अनर्थ, साँप)

2. देवबालक का पैर _______ की पूँछ पर पड़ गया।
(शेर, हाथी, साँप)

3. बालक हँसता-हँसता वहीं _______ पर लोट गया।
(धरती, बिस्तर, मैदान)

4. साँप ने देखा कि बालक बहुत ही _______ था।

(बड़ा, सुंदर, छोटा)

**उत्तर:** 1. अनर्थ    2. साँप

3. धरती    4. सुंदर

**कृ.6. असंगत शब्द छाँटकर लिखिए:**

1. साँप बहुत जहरीला / लचीला था।
2. देवबालक किलकारी मारता हुआ फिसलता / उछलता चला जा रहा था।
3. साँप ने जाकर उसे देखा / सूँघा।
4. लेकिन मेरा जरा दाँत / हाथ लगता है।

**उत्तर:** 1. लचीला    2. फिसलता

3. देखा    4. हाथ

**कृ.7. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. साँप को जहरीले होने का दुख नहीं था। [ ]
2. बालक का मुख साँप के काटने पर भी जैसे हँस रहा था। [ ]
3. मानो साँप यम के खिलाफ बालक की देह का पहरा दे रहा था। [ ]
4. साँप की हर किसी की जान लेने की इच्छा होती थी। [ ]

**उत्तर:** 1. असत्य 2. सत्य

3. सत्य 4. असत्य

**कृ.8. उचित जोड़ियाँ मिलाइए:**

| | अ | | ब |
|---|---|---|---|
| 1. | साँप | अ. | सुंदर |
| 2. | देवबालक | ब. | प्रार्थना |
| 3. | स्मित | क. | जहरीला |
| 4. | भगवान | ड. | हास |

**उत्तर:** (1 – क), (2 – अ), (3 – ड), (4 – ब)।

**कृ.9. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:**

1. "मैं किसी का अनिष्ट करना नहीं चाहता हूँ।"

यह वाक्य [ ] ने [ ] से कहा।

2. "तब मैं अपने आपको भूल जाता हूँ।"

यह वाक्य [ ] ने [ ] से कहा।

**उत्तर:** 1. साँप, भगवान 2. साँप, भगवान

**क्र.10. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:**

1\.

- भगवान को
- बालक को
- साँप को

→ **गुस्सा आ गया।**

2\.

- उस समय साँप को
- भगवान को
- देवबालक को

→ **बहुत दुख हुआ।**

3\.

- मेरा अभिमान
- मेरा जहर
- मेरा गुस्सा

→ **मुझमें से तू निकाल ले।**

4\.

- तब मैं अपने
- अपने गुस्से
- अपने जहर

→ **को भूल जाता हूँ।**

**उत्तर:** 1. **साँप को** गुस्सा आ गया।

2\. **उस समय साँप को** बहुत दुख हुआ।

3\. **मेरा जहर** मुझमें से तू निकाल ले।

4\. **तब मैं अपने** को भूल जाता हूँ।

**कृ.11.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

1. शनैः-शनैः बालक के मुँह से स्मित हास की आभा मिटने लगी।
2. तो साँप को गुस्सा आ गया।
3. लेकिन मेरा जरा दाँत लगता है कि उसकी जान चली जाती है।
4. बालक बहुत सुंदर था।

**उत्तर:** 1. बालक बहुत सुंदर था।

2. तो साँप को गुस्सा आ गया।
3. शनैः-शनैः बालक के मुँह से स्मित हास की आभा मिटने लगी।
4. लेकिन मेरा जरा दाँत लगता है कि उसकी जान चली जाती है।

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:**

नाग, विषैला, खेल,
प्राण, विनय, क्रोध,
विष, चमक

**उत्तर:** साँप, जहरीला, क्रीड़ा, जान, प्रार्थना, गुस्सा, जहर, आभा

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में खोजकर लिखिए:**

निश्चिंत, रोता,
गगन, खुशी, अमृत,
इष्ट, कुरूप

**उत्तर:** आशंका, हँसता, धरती, दुख, जहर, अनिष्ट, सुंदर

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:**

जहरीला, किलकारी, प्रार्थना, इच्छा

**उत्तर:**

| एकवचन | बहुवचन |
|---|---|
| जहरीला | जहरीले |
| किलकारी | किलकारियाँ |
| प्रार्थना | प्रार्थनाएँ |
| इच्छा | इच्छाएँ |

**कृ.4. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए:**

1. वह बहुत जहरीला था।
2. एक देवबालक क्रीड़ा करता हुआ जा रहा था।
3. बालक बहुत सुंदर था।

**उत्तर:** 1. वह बहुत **जहरीली** थी।

2. एक **देवबालिका** क्रीड़ा करती हुई जा रही थी।

3. **बालिका** बहुत सुंदर थी।

**कृ.5. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | वि | ल | कि | क | का | नी | री |
| 2. | र | ड | ली | का | र | कुं | ला |

**उत्तर:** 1. किलकारी 2. कुंडलाकार

**कृ.6. शुद्ध-अशुद्ध शब्द अलग कीजिए:**

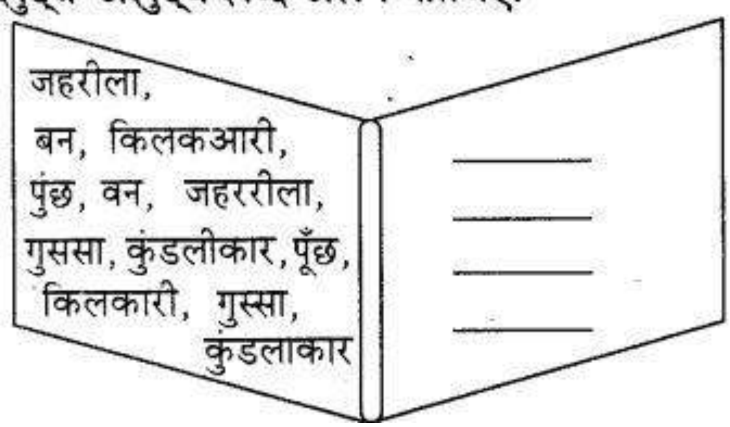

उत्तर:

| शुद्ध शब्द | अशुद्ध शब्द |
| --- | --- |
| जहरीला, वन, पूँछ, किलकारी, गुस्सा, कुंडलाकार | जहररीला, बन, पुंछ, किलकआरी, गुससा, कुंडलीकार |

**क्र.7. रेखांकित वाक्यांश के बदले कोष्ठक में दिए सही मुहावरे को चुनकर वाक्य फिर से लिखिए:**

**(चल पड़ना, जान निकल जाना)**

बिजली का करंट लगते ही रामलाल के प्राण निकल गए।

**उत्तर:** बिजली का करंट लगते ही रामलाल की **जान निकल गई**।

**क्र.8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:**

1. देवबालक की किसी अनर्थ को आशंका न थी।
2. साँप की गुस्सा आ गया।
3. उसने बालक की काट लिया।
4. तू मेरे जहर की दाँत निकाल ले।

**उत्तर:** 1. देवबालक **को** किसी अनर्थ **की** आशंका न थी।

2. साँप **को** गुस्सा आ गया।
3. उसने बालक **को** काट लिया।
4. तू मेरे जहर **के** दाँत निकाल ले।

**कृ.9. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. उस समय उसने प्रार्थना की कि हे भगवान मेरा जहर मुझमें से तू निकाल ले
2. मैं किसी का अनिष्ट करना नहीं चाहता हूँ
3. मुझे गुस्सा ज़रा भी आ जाता है तब मैं अपने को भूल जाता हूँ

**उत्तर:** 1. उस समय उसने प्रार्थना की कि हे भगवान! मेरा जहर मुझमें से तू निकाल ले।

2. मैं किसी का अनिष्ट करना नहीं चाहता हूँ।

3. मुझे गुस्सा ज़रा भी आ जाता है, तब मैं अपने को भूल जाता हूँ।

**कृ.10.निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए:**

1. अनर्थ 2. आशंका

**उत्तर:** 1. अन + अर्थ — उपसर्ग – अन 2. आ + शंका — उपसर्ग – आ

**कृ.11.निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग करके लिखिए:**

1. जहरीला 2. रोजाना

**कृ.11.निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग करके लिखिए:**

1. जहरीला 2. रोजाना

**उत्तर:** 1. जहर + ईला — प्रत्यय – ईला 2. रोज + आना — प्रत्यय – आना

**कृ.12. निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. पर
2. मानो
3. अब भी
4. हे

**उत्तर:** 1. जमीन **पर** पानी गिर गया।

2. पंखा इतना तेज चल रहा है **मानो** आँधी आ गई हो।

3. कुत्ता **अब भी** यहीं बैठा है।

4. **हे** राम! यह क्या हो गया।

**कृ.13. निम्नलिखित वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के भेद पहचानकर लिखिए:**

1. साँप ने जाकर उसे सूँघा। बालक की जान निकल गई।
2. साँप ने देखा कि बालक बहुत ही सुंदर था।

**उत्तर:**

| | संज्ञा | सर्वनाम | क्रिया | विशेषण |
|---|---|---|---|---|
| 1. | साँप, बालक, जान | उसे | सूँघा (सूँघना), निकल गई | – |
| 2. | – | – | देखा (देखना) | सुंदर |

**कृ.14. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:**

1. एक साँप था।
2. वह जहरीला क्यों है?
3. उस समय साँप को बहुत दुख हुआ।
4. देवबालक का शरीर गलने लगेगा।

**उत्तर:** 1. पूर्ण भूतकाल

2. सामान्य वर्तमानकाल

3. सामान्य भूतकाल

4. सामान्य भविष्यकाल

**कृ.1. साँप के काटने पर देवबालक की स्थिति कैसी हुई?**

**उत्तर:** देवबालक को जंगल में साँप काट लेता है। साँप अत्यंत विषैला था। साँप के काटने पर देवबालक हँसता-हँसता वहीं धरती पर लोट गया। उसकी जान निकल गई थी। साँप ने देखा कि बालक का मुख अब भी हँसता हुआ प्रतीत हो रहा है। इसके बाद बालक का चेहरा धीरे-धीरे फीका पड़ गया। उसके मुँह से स्मित हास की आभा भी मिट गई थी तथा उसका शरीर भी गलने लगा था।

**कृ.2. साँप ने देवबालक को क्यों काटा?**

**उत्तर:** देवबालक अपनी मस्ती में क्रीड़ा करता हुआ वन से जा रहा था। जिस प्रकार बालक प्रकृति से ही मासूम व चंचल होते हैं, उसी प्रकार देवबालक भी किलकारी मारते हुए उछलता, कूदता वन में चला जा रहा था। देवबालक को वन में ऐसे किसी अनर्थ की आशंका न थी। अचानक देवबालक का पैर साँप की पूँछ पर पड़ गया। पूँछ दबने के कारण साँप को गुस्सा आ गया और उसने देवबालक को काट लिया।

**कृ.3. साँप ने भगवान से प्रार्थना करते हुए क्या कहा?**

**उत्तर:** साँप के काटने से अबोध देवबालक की मृत्यु हो जाती है। हँसते-खेलते बालक की मृत्यु से शोक-मग्न साँप, भगवान से प्रार्थना करता है कि वह उसका जहर निकाल लें। वह किसी का अनिष्ट नहीं करना चाहता है, लेकिन उसे जरा-भी गुस्सा आ जाता है तो वह खुद को भूल जाता है। किसी की जान लेने की उसकी इच्छा कभी नहीं होती, लेकिन जिसे उसके जरा-से भी दाँत लगते हैं, तो उसकी जान चली जाती है। अत: वह भगवान से प्रार्थना करता है कि वह उसके जहर भरे दाँत निकाल लें और उसे विषरहित बना दें।

**कृ.1. आपके आस-पास यदि किसी को साँप काट ले तो आप क्या करेंगे, स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** 1. मैं उस व्यक्ति के साँप द्वारा काटे गई जगह के ऊपर वाले हिस्से को रस्सी या कपड़े से कस-कर बाँध दूँगा, जिससे रक्त का संचार बंद हो जाए। इस तरह जहरीला खून दिमाग में नहीं पहुँचेगा।

2. मैं जख्म को डेटॉल से साफ करूँगा।

3. किसी धारदार हथियार को डेटॉल से साफ कर जख्म को काटूँगा, जिससे जहरीला खून बाहर निकल आए।

4. मैं उस व्यक्ति को सांत्वना भी दूँगा कि घबराने की जरूरत नहीं है, सब ठीक हो जाएगा।

5. मैं सबसे नजदीक के डॉक्टर के पास उस व्यक्ति को ले जाऊँगा।

6. अन्य लोगों को भी अपनी मदद के लिए बुला लूँगा।

## परिच्छेद 2

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 2 पर दी गई पंक्तियाँ (16 से 30 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:**
**[साँप की प्रार्थना .......................**
**.............................. यह क्या है? "]**

आकलन कृतियाँ

क्र.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

उत्तर: 1. साँप, सँपेरे के सम्मुख आकर फन खोलकर खड़ा हो गया।

2. साँप फन हिला-हिलाकर बीन की मीठी पुकार पर अपने को दे डालने की इच्छा करने लगा।

3. साँप पकड़े जाने की प्रतीक्षा में मुग्ध होता रहा।

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:**

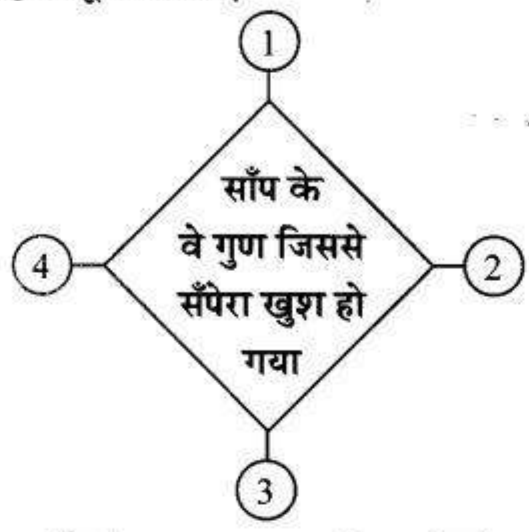


**उत्तर:** 1. सुंदर 2. बड़ा
3. बलिष्ठ 4. तेजस्वी

**कृ.3. एक शब्द में उत्तर लिखिए:**

1. साँप की प्रार्थना पर भगवान ने भेज दिया
2. साँप खोलकर खड़ा हो गया
3. सँपेरे ने साँप के इसके दाँत खींच निकाले
4. वेदना में साँप हो गया

**उत्तर:** 1. सँपेरा 2. फन
3. जहर 4. मूर्च्छित

**कृ.3. एक शब्द में उत्तर लिखिए:**

1. साँप की प्रार्थना पर भगवान ने भेज दिया
2. साँप खोलकर खड़ा हो गया
3. सँपेरे ने साँप के इसके दाँत खींच निकाले
4. वेदना में साँप हो गया

**उत्तर:** 1. सँपेरा 2. फन
3. जहर 4. मूर्च्छित

**कृ.4. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए:**

1. सँपेरे ने बीन की _______ में साँप को वश में कर लिया।

(तान, बैन, आवाज़)

2. साँप ने _______ दाँत निकलवा दिए।

(जहरीले, लंबे, अनुमतिपूर्वक)

3. साँप को अपनी _______ में रखकर सँपेरा नगर को लौट पड़ा।

(पिटारी, गठरी, टोकरी)

4. साँप ने देखा कि उसका _______ कहीं नहीं है।

(घर, वन, बिल)

**उत्तर:** 1. बैन 2. अनुमतिपूर्वक

3. पिटारी 4. वन

**कृ.5. संगत शब्द छाँटकर लिखिए:**

1. साँप बीन की मीठी तान / पुकार पर अपने को दे डालने की इच्छा करने लगा।
2. सँपेरे ने इतना तेजस्वी / ओजस्वी साँप कभी नहीं देखा था।
3. साँप वेदना से परेशान / मूर्च्छित हो गया।
4. साँप ने सरक-सरककर देखा कि चारों ओर उसके रुकावट / बाधा है।

**उत्तर:** 1. पुकार 2. तेजस्वी

3. मूर्च्छित 4. रुकावट

**कृ.6. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. साँप पकड़े जाने की प्रतीक्षा में मुग्ध होता रहा। ☐
2. साँप ने सँपेरे को अपने वश में कर लिया। ☐
3. साँप की जब मूर्च्छा टूटी तब वह पिटारी में था। ☐
4. साँप के खेलने के लिए बहुत जगह थी। ☐

**उत्तर:** 1. सत्य  2. असत्य

3. सत्य  4. असत्य

**कृ.7. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे कहे:**

1. "तुम्हारा दिया हुआ विष मैंने स्वीकार न करके तुमसे प्रार्थना की।"
2. "हे भगवान! यह क्या है?"

**उत्तर:** 1. यह वाक्य साँप ने भगवान से कहा।

2. यह वाक्य साँप ने भगवान से कहा।

**कृ.8. सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:**

1.
- देवबालक की मृत्यु पर
- साँप पकड़ने के लिए
- साँप की प्रार्थना सुनकर

→ **भगवान ने उस वन में एक सँपेरा भेज दिया।**

2.
- देवबालक ने साँप को
- सँपेरे ने साँप को पकड़कर
- साँप ने सँपेरे को

→ **अपने वश में कर लिया।**

3.

पिटारी से बाहर

वन की ओर

खेलने के लिए कहीं भी

**निकलने का मार्ग नहीं है।**

4.

विष निकलने के साथ-साथ

देवबालक की मृत्यु के बाद

सँपेरे के कारण

**उसमें से तेज भी निकल गया था।**

**उत्तर:** 1. **साँप की प्रार्थना सुनकर** भगवान ने उस वन में एक सँपेरा भेज दिया।

2. **सँपेरे ने साँप को पकड़कर** अपने वश में कर लिया।

3. **खेलने के लिए कहीं भी** निकलने का मार्ग नहीं है।

4. **विष निकलने के साथ-साथ** उसमें से तेज भी निकल गया था।

**कृ.9. निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

1. साँप की मूर्च्छा जब टूटी तब उसने देखा कि उसका वन कहीं नहीं है।
2. पहले तो उसने इधर-उधर फन मारे।
3. साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने उस वन में एक सँपेरा भेज दिया।
4. साँप ने अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा दिए।

**उत्तर:** 1. साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने उस वन में एक सँपेरा भेज दिया।

2. साँप ने अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा दिए।

3. साँप की मूर्च्छा जब टूटी तब उसने देखा कि उसका वन कहीं नहीं है।

4. पहले तो उसने इधर-उधर फन मारे।

**कृ.1. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:**

1. इंतजार
2. मोहित
3. जंगल
4. बेहोशी

**उत्तर:** 1. प्रतीक्षा 2. मुग्ध
3. वन 4. मूर्च्छा

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:**

1.


2.


3.


4.


**उत्तर:** 1. तेजस्वी 2. अँधेरा
3. विष 4. दंड

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए:**

1. सँपेरा 2. रुकावटें

**उत्तर:** 1. एकवचन 2. बहुवचन

**कृ.4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए:**

1. सँपेरा 2. पिटारी

**उत्तर:** 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग

**कृ.5. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:**

1.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| र्व | अ | क | नु | ति | म | पू |

2.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| रा | म | पे | व्य | सँ |

**उत्तर:** 1. अनुमतिपूर्वक 2. सँपेरा

**कृ.6. शुद्ध-अशुद्ध शब्द अलग कीजिए:**

| | |
|---|---|
| प्रतिक्षा, | बलीष्ठ, |
| तेजस्वी, | अनूमतीपुर्वक, |
| बलिष्ठ, | तेजस्वि, |
| प्रतीक्षा, | सामरथय, |
| अनुमतिपूर्वक, | सामर्थ्य |

| |
|---|
| ________ |
| ________ |
| ________ |
| ________ |
| ________ |

**उत्तर:** **शुद्ध शब्द:** प्रतीक्षा, बलिष्ठ, अनुमतिपूर्वक, तेजस्वी, सामर्थ्य

**अशुद्ध शब्द:** प्रतिक्षा, बलीष्ठ, अनूमतीपुर्वक, तेजस्वि, सामरथय

**कृ.7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. मुग्ध होना 2. वश में कर लेना

3. मूर्च्छित हो जाना

**उत्तर:** 1. **मुग्ध होना** – आकर्षित होना।

**वाक्य:**अनामिका का नृत्य देखकर सभी मुग्ध हो गए।

2. **वश में कर लेना** – अधिकार में कर लेना।

**वाक्य:**सरिता ने अपने प्यार-भरे व्यवहार से अपने ससुरालवालों को वश में कर लिया।

3. **मूर्च्छित हो जाना** – बेहोश हो जाना।

**वाक्य:**तेज बुखार होने के कारण जय मूर्च्छित हो गया।

**कृ.8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:**

1. साँप का प्रार्थना सुनकर भगवान ने सँपेरा भेज दिया।
2. बीन का बैन उसे लुभाने लगा।
3. सँपेरे ने साँप की पकड़कर अपने वश में कर लिया।
4. खेलने को लिए निकलने की मार्ग नहीं है।

**उत्तर:** 1. साँप **की** प्रार्थना सुनकर भगवान ने सँपेरा भेज दिया।

2. बीन **की** बैन उसे लुभाने लगी।

3. सँपेरे ने साँप **को** पकड़कर अपने वश में कर लिया।

4. खेलने **के** लिए निकलने **का** मार्ग नहीं है।

**कृ.9. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. पहले तो उसने इधर उधर फन मारे जैसे विष निकलने के साथ साथ उसमें से तेज भी निकल गया था
2. उसने कहा हे भगवान यह क्या

**उत्तर:** 1. पहले तो उसने इधर-उधर फन मारे, जैसे विष निकलने के साथ-साथ उसमें से तेज भी निकल गया था।

2. उसने कहा, "हे भगवान! यह क्या?

**कृ.10.निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग अलग करके दो नए शब्द लिखिए:**

सम्मुख, अनुमति

**उत्तर:**

| शब्द | उपसर्ग | नए शब्द |
|---|---|---|
| सम्मुख | सम् | सम्मान, सम्मोहन |
| अनुमति | अनु | अनुरोध, अनुमोदन |

**कृ.11.निम्नलिखित शब्दों के प्रत्यय अलग करके दो नए शब्द लिखिए:**

बलिष्ठ, रुकावट

**उत्तर:**

| शब्द | प्रत्यय | नए शब्द |
|---|---|---|
| बलिष्ठ | इष्ठ | वरिष्ठ, कनिष्ठ |
| रुकावट | आवट | सजावट, लिखावट |

**कृ.12.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त अव्यय शब्द खोजकर भेद सहित लिखिए:**

1. वेदना में एक बार वह मूर्च्छित हो गया।
2. वहाँ तो अँधेरा ही चारों ओर से घिरकर बंद होता आया है।

3. उसने इधर-उधर फन मारे।

4. उसने कहा, 'हे भगवान! यह क्या है?'

**उत्तर:** 1. एक बार – क्रियाविशेषण अव्यय

2. चारों ओर – क्रियाविशेषण अव्यय

3. इधर-उधर – क्रियाविशेषण अव्यय

4. हे भगवान! – विस्मयादिबोधक अव्यय

**कृ.13.निम्नलिखित वाक्यों में से संज्ञाएँ छाँटकर लिखिए:**

1. साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने उस वन में एक सँपेरा भेज दिया।

2. जब उसने बीन बजाई साँप फन खोलकर खड़ा हो गया।

3. साँप के जहर के दाँत भी खींच लिए।

4. साँप को अपनी पिटारी में रखकर सँपेरा नगर को लौट पड़ा।

**उत्तर:** 1. साँप, प्रार्थना, भगवान, वन, सँपेरा

2. बीन, साँप, फन

3. साँप, जहर, दाँत

4. साँप, पिटारी, सँपेरा, नगर

**क्र.14.निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विशेषण खोजकर लिखिए:**

1. सँपेरा बहुत खुश था।
2. सँपेरे ने ऐसा सुंदर, ऐसा बड़ा, ऐसा बलिष्ठ, और इतना तेजस्वी साँप कभी नहीं देखा था।
3. उसमें से तेज भी निकल गया था।

**उत्तर:** 1. बहुत, खुश

2. सुंदर, बड़ा, बलिष्ठ, इतना, तेजस्वी

3. तेज

**क्र.15.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम खोजकर लिखिए:**

1. उसने बीन बजाई।
2. वह फन हिलाने लगा।
3. तुम उसे मुझमें से लौटा लो।
4. सो क्या उसी का यह दंड मुझे मिला है?

**उत्तर:** 1. उसने 2. वह

3. तुम, उसे, मुझमें 4. उसी, मुझे

**क्र.16.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ छाँटकर लिखिए:**

1. वन में एक सँपेरा भेज दिया।
2. तब साँप सम्मुख आकर फन खोलकर खड़ा हो गया।
3. उसने साँप के जहर के दाँत भी खींच निकाले।
4. सँपेरा नगर को लौट पड़ा।

**उत्तर:** 1. भेज (भेजना)

2. आकर (आना), खोलकर (खोलना), खड़ा हो गया

3. खींच (खींचना)

4. लौट (लौटना)

**कृ.17. निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त काल के उपभेद पहचानकर लिखिए:**

1. उसने जब बीन बजाई।
2. वह सरक-सरककर देख रहा था।
3. वह इधर-उधर फन मारेगा।
4. क्या उसी का यह दंड मुझे मिला है?

**उत्तर:** 1. सामान्य भूतकाल 2. अपूर्ण भूतकाल

3. सामान्य भविष्यकाल 4. पूर्ण वर्तमानकाल

**कृ.1. साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने क्या किया?**

**उत्तर:** देवबालक द्वारा गलती से साँप की पूँछ दब जाने पर साँप ने गुस्से में आकर उसे काट लिया, जिससे देवबालक की मृत्यु हो गई। बाद में साँप को इस बात का बहुत दुख हुआ। वह कभी किसी का अनिष्ट नहीं करना चाहता था, लेकिन क्रोधित होने पर वह स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पाता था। अत: जब भी वह बिना इच्छा के भी किसी को काट लेता था, तो उसकी मृत्यु हो जाती थी। आखिरकर साँप ने अपने जहर से परेशान होकर भगवान से प्रार्थना की कि वह उसके जहर के दाँत निकाल लें और उसे विषरहित बना दें। अत: इस प्रकार की गई साँप की प्रार्थना सुनकर भगवान ने एक सँपेरे को उस जंगल में साँप के पास उसका ज़हर निकालने के लिए भेज दिया।

कृ.1. ट्रैकिंग के लिए जाते वक्त बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में लिखिए।

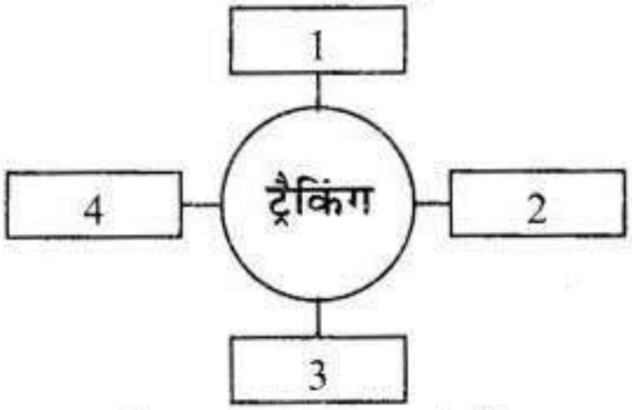


उत्तर: 1. हमारे साथ एक अनुभवी ट्रैकिंग गाइड होना चाहिए, जिसके पास पूरी जानकारी हो।

2. हमारे पास ट्रैकिंग से संबंधित सारा सामान होना चाहिए।

3. हमारे पास खाने-पीने के सामान के साथ-साथ प्राथमिक उपचार का सामान भी होना चाहिए।

4. ट्रैकिंग करते वक्त हमे पूरी सावधानी व ध्यान केंद्रित कर आगे बढ़ना चाहिए।

कृ.2. जंगल में पाए जाने वाले जहरीले सरीसृपों के नाम बताइए।

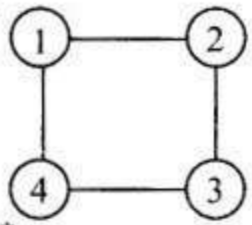


उत्तर: 1. साँप 2. गिरगिट
3. बिच्छू 4. छिपकली

## परिच्छेद 3

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 2 पर दी गई पंक्तियाँ (31 से 44 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:**
**[अगले दिन बहँगी ......................**
**.............................. सूखते जाने लगे।]**

### आकलन कृतियाँ

कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:

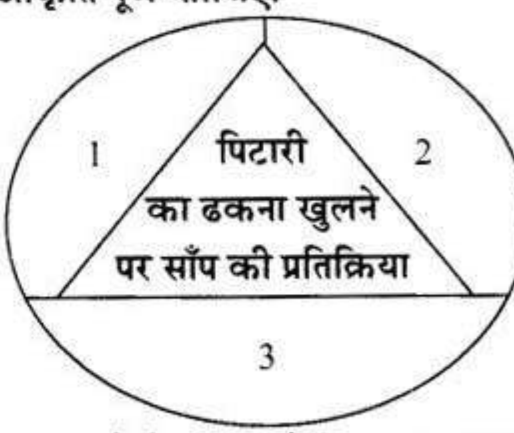


उत्तर: 1. साँप ने प्रसन्नता से सिर ऊपर उठाया।
2. बीन बज रही थी, इसलिए उसका उठा हुआ फन हिलकर ही रह गया।
3. प्रसन्नता अपने शैशव में ही मुग्ध हो पड़ी।

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:**

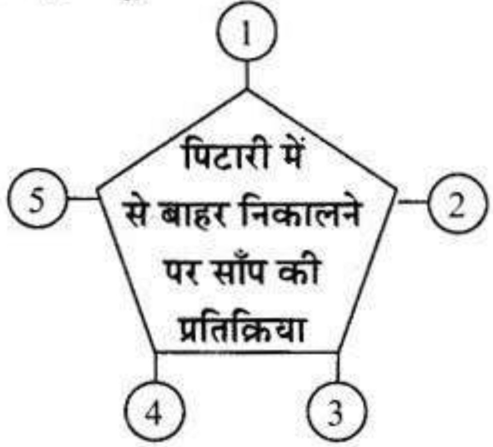


**उत्तर:** 1. अपने चारों ओर बहुत से तमाशाई लोगों को देखकर साँप चकित हो गया।

2. उसका मन क्रोध से भर आया।
3. साँप ने जोर से फुफकार मारी।
4. साँप ने फन फैलाया।
5. साँप ने क्रुद्ध आँखों से चारों ओर देखा।

**कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:**

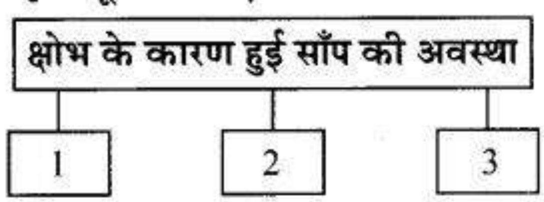


**उत्तर:** 1. अशक्त 2. निरुपाय

3. भीतर-ही-भीतर जलकर विक्षुब्ध

**कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**उत्तर:** 1. उसने पूँछ में मुँह छिपा लिया।

2. वह आँख मूँदकर धरती पर लोट गया।

**कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**उत्तर:** 1. वह न जग को देखना चाहता था।

2. वह न दीखना चाहता था।

**कृ.6. एक शब्द में उत्तर लिखिए:**

1. अगले दिन बहँगी पर टाँग कर सँपेरा दिखाने को चला
2. सर पर से ढकना खुलने पर साँप को हुई
3. बहुत से तमाशाई लोगों को देखकर साँप हो गया
4. साँप को फन फैलाते देख सबको हुआ

**उत्तर:** 1. तमाशा 2. प्रसन्नता

3. चकित 4. कुतूहल

**कृ.7. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए:**

1. साँप का मन _______ से भर गया।

(क्रोध, दुख, गुस्सा)

2. साँप ने धरती पर पटककर अपने _______ को और भी चौड़ा किया।

(पैर, फन, पूँछ)

3. दर्शकों में _______ तनिक न उपजा।

(आतंक, कुतूहल, डर)

4. साँप ने देखा कि उसकी _______ का सम्मान लोगों में नहीं है।

(फुफकार, क्रोध, तेजस्विता)

**उत्तर:** 1. क्रोध 2. फन

3. आतंक 4. तेजस्विता

**कृ.8. असंगत शब्द छाँटकर लिखिए:**

1. साँप ने क्रुद्ध / भयभीत आँखों से चारों ओर देखा।
2. साँप ने और जोर की फुफकार / सिसकारी छोड़ी।
3. वह दुख / क्षोभ उसे ही खाने लगा।
4. व्यर्थता की अभिव्यक्ति / अनुभूति से उसके प्राण सूखने लगे।

**उत्तर:** 1. भयभीत 2. फुफकार

3. दुख 4. अभिव्यक्ति

**कृ.9. निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. साँप अपने चारों ओर तमाशाई लोगों को देखकर चकित रह गया। ☐
2. साँप की फुफकार से चारों ओर खड़े लोगों में डर पैदा हो गया। ☐
3. जोर की सिसकारी पर भी दर्शकों का कुतूहल नहीं बढ़ा। ☐
4. साँप न जग को देखना चाहता था, न दीखना चाहता था। ☐

**उत्तर:** 1. सत्य 2. असत्य

3. असत्य 4. सत्य

**कृ.10.उचित जोड़ियाँ मिलाइए:**

| | अ | | ब |
|---|---|---|---|
| 1. | दर्शक | अ. | निरुपाय |
| 2. | तेजस्विता | ब. | अनुभूति |
| 3. | अशक्त | क. | कुतूहल |
| 4. | व्यर्थता | ड. | सम्मान |

**उत्तर:** (1 – क), (2 – ड), (3 – अ), (4 – ब)।

**कृ.11.आकृति पूर्ण कीजिए:**

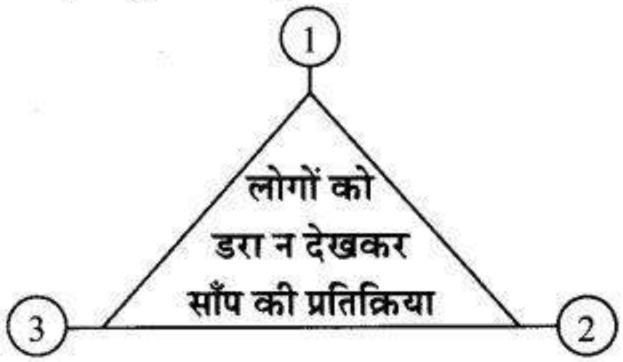


**उत्तर:** 1. साँप ने धरती पर अपने फन को पटका।

2. साँप ने अपने फन को और भी चौड़ा कर ऊँचा उठाया।

3. और जोर की सिसकारी छोड़ी।

**कृ.12. आकृति पूर्ण कीजिए:**

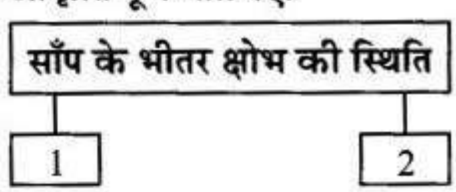


**उत्तर:** 1. भीतर बल खा-खाकर उभरने और झरने लगा।

2. क्षोभ साँप को ही खाने लगा।

**कृ.13.सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:**

1.

**उसका उठा हुआ फन**

- गिर गया।
- हिलकर ही रह गया।
- फिर न उठ सका।

2.

**पर सबको इसमें**

- कुतूहल ही मालूम हुआ।
- डर लग गया।
- आतंक उपजा।

3.

**अपने फन को और भी**

- बंद कर लिया।
- जोर-जोर से हिलाया।
- चौड़ा कर ऊँचा उठाया।

4.

**इसपर क्षोभ उसके भीतर बल खा-खाकर**

- सिर उठाने लगा।
- उभरने और झरने लगा।
- नीचे गिरने लगा।

उत्तर: 1. उसका उठा हुआ फन **हिलकर ही रह गया।**

2. पर सबको इसमें **कुतूहल ही मालूम हुआ।**

3. अपने फन को और भी **चौड़ा कर ऊँचा उठाया।**

4. इसपर क्षोभ उसके भीतर बल खा-खाकर **उभरने और झरने लगा।**

**कृ.14.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

1. साँप वहीं अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर, आँख मूँद, धरती पर लोट गया।
2. अगले दिन बहँगी पर टाँगकर सँपेरा नगर में साँप का तमाशा दिखाने को चला।
3. साँप ने देखा कि उसकी तेजस्विता का सम्मान लोगों में नहीं है।
4. उसने जोर से फुफकार मारी।

**उत्तर:** 1. अगले दिन बहँगी पर टाँगकर सँपेरा नगर में साँप का तमाशा दिखाने को चला।

2. उसने जोर से फुफकार मारी।

3. साँप ने देखा कि उसकी तेजस्विता का सम्मान लोगों में नहीं है।

4. साँप वहीं अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर, आँख मूँद, धरती पर लोट गया।

**कृ.15. आकृति पूर्ण कीजिए:**

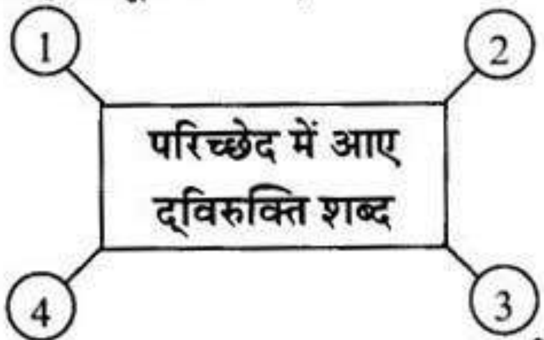


**उत्तर:** 1. खा-खाकर 2. भीतर-ही-भीतर

3. सिक-सिककर 4. भुन-भुनकर

**व्याकरण कृतियाँ**

**कृ.1. समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए:**

शैशव, क्रुद्ध, चेष्टा, विस्मय

आश्चर्य, बचपन, प्रयत्न, गुस्सा

**उत्तर:**

| | | |
|---|---|---|
| शैशव | – | बचपन |
| क्रुद्ध | – | गुस्सा |
| चेष्टा | – | प्रयत्न |
| विस्मय | – | आश्चर्य |

**कृ.2. विरुद्धार्थी शब्दों की जोड़ियाँ बनाकर लिखिए:**

तनिक, सम्मान, अशक्त ऊँचा

सशक्त, नीचा, अधिक, अपमान

**उत्तर:**

| | | |
|---|---|---|
| तनिक | × | अधिक |
| सम्मान | × | अपमान |
| अशक्त | × | सशक्त |
| ऊँचा | × | नीचा |

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:**

1. तमाशा
2. आँखें
3. बच्चे
4. चेष्टा

**उत्तर:** 1. तमाशे  2. आँख  3. बच्चा  4. चेष्टाएँ

**कृ.4. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए:**

1. बच्चा
2. चौड़ा
3. ऊँचा
4. लंबा

**उत्तर:** 1. बच्ची 2. चौड़ी
3. ऊँची 4. लंबी

**कृ.5. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अ | शा | प्र | त | न्न | मा |
| 2. | सौ | त | दा | मा | ई | शा |

**उत्तर:** 1. तमाशा 2. तमाशाई

**क्रृ.6. शुद्ध-अशुद्ध शब्द अलग कीजिए:**

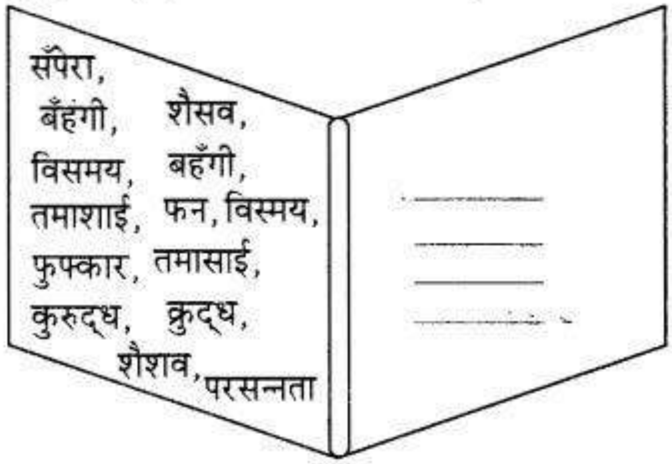


**उत्तर: शुद्ध शब्द:** सँपेरा, बहँगी, फन, शैशव, विस्मय, क्रुद्ध, तमाशाई

**अशुद्ध शब्द:** बँहंगी, शैसव, विसमय, फुफ्कार, कुरुद्ध, परसन्नता, तमासाई

**क्रृ.7. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ बताकर उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. चकित होना
2. मन क्रोध से भरना
3. क्रुद्ध आँखों से देखना
4. सिसकारी छोड़ना
5. बल खाना
6. प्राण सूखना

**उत्तर:** 1. **चकित होना** – आश्चर्य व्यक्त करना।

**वाक्य:**शहर में बड़ी-बड़ी इमारतें देखकर रामलाल **चकित हो गया**।

2. **मन क्रोध से भरना** – अत्याधिक गुस्सा आना।

**वाक्य:**कक्षा में छात्रों को हुड़दंग मचाते देख शिक्षक का **मन क्रोध से भर गया**।

3. **क्रुद्ध आँखों से देखना** – अत्यधिक गुस्सा आना।

**वाक्य**:पुलिसवाले ने चोर को **क्रुद्ध आँखों से देखा**।

4. **सिसकारी छोड़ना** – व्याकुलता से दीर्घ श्वास लेना।

**वाक्य**:बस-दुर्घटना में घायल यात्रियों को देखकर लोग **सिसकारी छोड़ने** लगे।

5. **बल खाना** – क्रोध आना अथवा नाखुश होना।

**वाक्य**:सँपेरे के प्रताड़ित करने पर साँप **बल खाकर** रह गया।

6. **प्राण सूखना** – डर जाना।

**वाक्य**: बस्ती में शेर देखकर सबके **प्राण सूख गए**।

**कृ.8. वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:**

1. साँप ने और जोर का सिसकारी छोड़ी।
2. दर्शकों की कुतूहल बढ़ गया।

**उत्तर**: 1. साँप ने और जोर **की** सिसकारी छोड़ी।

2. दर्शकों **का** कुतूहल बढ़ गया।

**कृ.9. कोष्ठक में दिए विरामचिह्नों का उचित प्रयोग करके वाक्य पुन: लिखिए:**

| - | , | " | " | । |
|---|---|---|---|---|

1. अशक्त निरुपाय भीतर ही भीतर जलकर विक्षुब्ध।
2. तब वहीं अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर आँख मूँद धरती पर लोट गया

**उत्तर:** 1. अशक्त, निरुपाय, भीतर-ही-भीतर जलकर विक्षुब्ध।

2. तब वहीं अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर, आँख मूँद धरती पर लोट गया।

**कृ.10. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग अलग करके लिखिए:**

1. अशक्त 2. विक्षुब्ध

**उत्तर:** 1. अ + शक्त 3. वि + क्षुब्ध

उपसर्ग – अ उपसर्ग – वि

**कृ.11. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्यय अलग करके लिखिए:**

1. प्रसन्नता 2. तमाशाई

**उत्तर:** 1. प्रसन्न + ता 2. तमाशा + आई

प्रत्यय – ता प्रत्यय – आई

**कृ.12.निम्नलिखित अव्यय शब्दों का वाक्य में प्रयोग कीजिए:**

1. ऊपर
2. बाहर
3. बहुत
4. भीतर

**उत्तर:** 1. पेड़ के **ऊपर** एक घोसला था।

2. घर के **बाहर** कचरा पड़ा हुआ था।

3. आम **बहुत** मीठे हैं।

4. कमरे के **भीतर** लाइट जल रही है।

**कृ.13.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञाएँ खोजकर लिखिए:**

1. साँप के सर से ढकना खुला।
2. सँपेरा बीन बजा रहा था।
3. दर्शकों में से कुछ बच्चे डर गए।
4. वह अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर, आँख मूँदकर लोट गया।

**उत्तर:** 1. साँप, सर, ढकना

2. सँपेरा, बीन

3. दर्शकों, बच्चे, डर

4. पूँछ, मुँह, आँख

**कृ.14.निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विशेषण खोजकर लिखिए:**

1. उसने जोर से फुफकार मारी।
2. उसने चौड़ा फन उठाया।

**उत्तर:** 1. जोर 2. चौड़ा

**कृ.15.निम्नलिखित सर्वनामों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए:**

1. उसका 2. मेरा
3. तुमने 4. उन्होंने

**उत्तर:** 1. सविता ने **उसका** काम कर दिया।
2. गुंजन को **मेरा** नाम किसने बताया?
3. **तुमने** अभी-अभी क्या कहा?
4. **उन्होंने** खाना खा लिया।

**कृ.16.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त क्रियाएँ छाँटकर लिखिए:**

1. साँप ने अपना फन हिलाया।
2. साँप को घेर कर बहुत से तमाशाई लोग देख रहे थे।

**उत्तर:** 1. हिलाया (हिलाना)
2. घेर (घेरना), देख (देखना)

**कृ.17.कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य पुन: लिखिए:**

1. सँपेरा बीन बजा रहा था। (सामान्य भविष्यकाल)
2. सबको देखकर साँप चकित हो गया। (अपूर्ण वर्तमानकाल)
3. साँप ने अपना फन धरती पर पटका। (पूर्ण भूतकाल)

**उत्तर:** 1. सँपेरा बीन बजाएगा।
2. सबको देखकर साँप चकित हो रहा है।
3. साँप ने अपना फन धरती पर पटक दिया था।

**पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी**

**क्र.1. तमाशाई लोगों को देखकर साँप ने क्या किया?**

**उत्तर:** सँपेरा बहँगी पर टाँगकर साँप का तमाशा दिखाने नगर में आया। जब पिटारी का ढक्कन खुला तो साँप ने प्रसन्नता से सिर ऊपर उठाया। सँपेरे ने बीन बजाते हुए साँप को बाहर निकाला। अपने चारों तरफ बहुत-से तमाशाई लोगों को खड़ा देखकर साँप चकित हो गया। उसे क्रोध आ गया। उसने जोर से फुफकार मारी और अपना लंबा-चौड़ा फन फैलाया। उसकी इस हरकत से बच्चे तो डरे मगर लोगों में कुतूहल ही दिखा। साँप ने फिर डराने के लिए अपना फन धरती पर पटका और उसे और भी चौड़ा कर ऊँचा उठाया और जोर की फुफकार मारी। इस बार भी किसी में भी आतंक नहीं उपजा। इस तरह साँप ने लोगों को डराने का प्रयास किया।

**क्र.2. लोगों के न डरने पर साँप का क्या हाल हुआ?**

**उत्तर:** साँप ने जब देखा कि उसके फन फैलाने और सिसकारी छोड़ने पर भी कोई आतंकित नहीं हुआ, तो उसका मन क्षोभ से भर गया। अब लोगों में उसकी तेजस्विता का तनिक भी सम्मान नहीं रहा। इस बात का क्षोभ उसे मन-ही-मन खाने लगा। अंदर-ही-अंदर उसे यह बात कष्ट देने लगी कि उसने अपना विष क्यों खो दिया? विष के बिना अब वह अशक्त, निरुपाय होकर भीतर-ही-भीतर जलने लगा। विष के बिना उसे अपना जीवन व्यर्थ लगने लगा। इसी बात पर वह पश्चाताप की अग्नि में जलने लगा। दिन-पर-दिन उसके प्राण सूखने लगे।

**क्र.3. विष निकल जाने पर साँप को किस तरह पश्चाताप हुआ?**

**उत्तर:** विष निकल जाने पर साँप पश्चाताप की अग्नि में जलने लगा। उसने देखा कि विष निकल जाने के साथ ही उसका तेज भी चला गया था। साँप को लग रहा था कि विष निकलवाने की विनती के कारण उसे दंड के रूप में इस स्थिति का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है। विष निकलने के साथ उसकी शक्ति भी उससे खिंच गई थी, क्योंकि इधर-उधर फन मारने पर उसे अहसास होता है कि उसमें अब तेज शेष नहीं बचा है। इस प्रकार विष के साथ ही अपनी शक्ति और सामर्थ्य भी खो जाने पर साँप को पश्चाताप हुआ।

## स्वमत अभिव्यक्ति

**कृ.1. मेले में देखे बंदर के तमाशे का वर्णन कीजिए।**

**उत्तर:** मेले में अक्सर बंदर का तमाशा दिखाते हुए मदारी दिख जाता है। पिछले दिनों मैं जयपुर गया था। वहाँ मैं एक मेले में गया, जहाँ मुझे मदारी का खेल देखने का अवसर मिला। मदारी डमरू बजा-बजाकर बंदर को नचा रहा था। मदारी बड़ी मजेदार बातें कर रहा था, जिसके जवाब में बंदर रोचक हरकतें करता। यह सब देखकर हम सबको हँसी आ रही थी। मदारी बंदर को कभी नाचने के लिए, कभी बीड़ी पीने का, कभी शराब पीने का, रूठने का, किसी अभिनेता की नकल करने का आदेश देता। यह सब देखकर बच्चों और बड़ों को खूब मजा आया। मदारी ने बंदर को इंसानों जैसे कपड़े पहनाए थे।

## परिच्छेद 4

**अपनी पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ क्रमांक 2, 3 पर दी गई पंक्तियाँ (45 से 58 तक) पढ़कर निम्नलिखित कृतियाँ कीजिए:**

**[तभी उसकी पूँछ ......................**

**............................... 'हे भगवान।"]**

## आकलन कृतियाँ

**कृ.1. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**उत्तर:** साँप ने तिलमिलाकर सिसकारी के साथ अपना फन उठाया।

**कृ.2. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**उत्तर:** सँपेरा चाहता है कि साँप लोगों को निष्फल, निर्वीर्य आवेश का प्रदर्शन करके दिखाए।

**कृ.3. आकृति पूर्ण कीजिए:**

**उत्तर:** 1. लोगों को अपने निष्फल निर्वीर्य आवेश का प्रदर्शन कर दिखाना।

2. मुँह दुबकाए साँप को लेटे नहीं रहने दिया गया।

**कृ.4. आकृति पूर्ण कीजिए:**

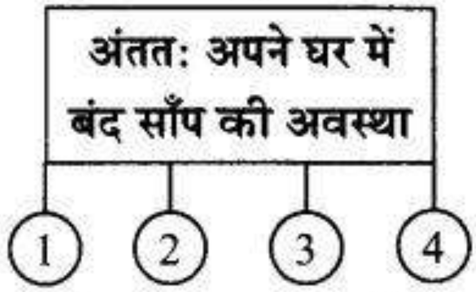


**उत्तर:** 1. हारा 2. थका

3. संतप्त 4. त्रस्त

**कृ.5. आकृति पूर्ण कीजिए:**

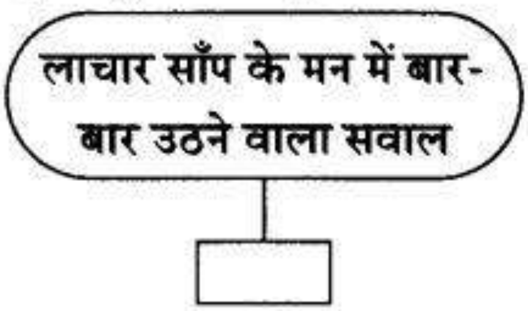


**उत्तर:** क्या विष ही मेरा बल था?

**कृ.6. एक शब्द में उत्तर लिखिए:**

1. सदा की भाँति साँप का प्रशस्त और भयानक था
2. साँप के लिए भगवान ने भेजा
3. सँपेरा बजा रहा था
4. साँप का फन अब सबके लिए था

**उत्तर:** 1. फन 2. सँपेरा
3. बीन 4. खिलौना

**कृ.7. सही विकल्प चुनकर रिक्त-स्थानों की पूर्ति कीजिए:**

1. साँप ने धरती से _______ पड़ा रहना चाहा।
(चिपटा, दुबका, लेटा)
2. सँपेरे ने साँप के _______ पर चोट पर चोट दी।
(शरीर, सिर, पूँछ)
3. लोग सँपेरे को _______ दें।
(चोट, पैसे, लालच)
4. साँप ने अंत में एकत्रित समूह का _______ किया।
(विरोध, समाधान, मनोरंजन)

**उत्तर:** 1. चिपटा 2. शरीर
3. पैसे 4. मनोरंजन

**कृ.8. असंगत शब्द छाँटकर लिखिए:**

1. वही फन जो कभी कमजोर / भयंकर था।
2. इसके सिवाय साँप को कहीं भी चारा / खाना नहीं मिला।

**उत्तर:** 1. कमजोर 2. खाना

**कृ.9.निम्नलिखित विधान सत्य हैं या असत्य, लिखिए:**

1. साँप अपना मुँह फिर पूँछ में दुबका कर सो गया। [ ]
2. सँपेरे ने साँप के शरीर पर चोट की। [ ]

**उत्तर:** 1. असत्य 2. सत्य

**कृ.10.सही विकल्प चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए:**

1.

**उसने तिलमिलाकर सिसकारी**
- से सबको डराया।
- के साथ अपना फन उठाया।
- के साथ आवाज की।

2.

**उसके भीतर से उठ रहा था कि**
- मैं कहाँ फँस गया।
- मुझे बचाओ!
- हे भगवान!

**उत्तर:** 1. उसने तिलमिलाकर सिसकारी **के साथ अपना फन उठाया।**

2. उसके भीतर से उठ रहा था कि हे **भगवान!**

**कृ.11.निम्नलिखित विधानों को परिच्छेद में आए उनके क्रमानुसार लिखिए:**

1. साँप ने अंत में एकत्रित समूह का मनोरंजन किया।
2. जब तक मौत उसे छुटकारा दे।
3. तभी उसकी पूँछ पर जोर की चोट दी गई।
4. नहीं, उसे फन उठाना होगा, वही फन जो कभी भयंकर था।

**उत्तर:** 1. तभी उसकी पूँछ पर जोर की चोट दी गई।

2. नहीं, उसे फन उठाना होगा, वही फन जो कभी भयंकर था।
3. साँप ने अंत में एकत्रित समूह का मनोरंजन किया।
4. जब तक मौत उसे छुटकारा दे।

**व्याकरण कृतियाँ**

**कृ.1. समानार्थी शब्दों की जोड़ियाँ बनाइए:**

| |
|---|
| निष्फल, क्रोध, पराजित, थका, आवेश, व्यर्थ, परास्त, त्रस्त, जहर, निष्प्राण, शिथिल, मृतप्राय, विष, संतप्त |

**उत्तर:**

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| निष्फल | = | व्यर्थ | आवेश | = | क्रोध |
| पराजित | = | परास्त | थका | = | शिथिल |
| निष्प्राण | = | मृतप्राय | जहर | = | विष |
| संतप्त | = | त्रस्त | | | |

**कृ.2. निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द परिच्छेद में से खोजकर लिखिए:**

1. संकुचित
2. वीर्यवान
3. विजयी
4. सफलता

**उत्तर:** 1. संकुचित × प्रशस्त

2. वीर्यवान × निर्वीय

3. विजयी × पराजित

4. सफलता × निष्फलता

**कृ.3. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:**

1. खिलौना — ○ 2. लाचारी — ○

3. पैसे — ○ 4. अनुभूति — ○

**उत्तर:** 1. खिलौने 2. लाचारियाँ

3. पैसा 4. अनुभूतियाँ

**कृ.4. सार्थक शब्द बनाकर लिखिए:**

1.

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| ल | र | मि | क | णा | ला | ति |

2.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ण | त | प्रा | मृ | य |

**उत्तर:** 1. तिलमिलाकर 2. मृतप्राय

**कृ.5. निम्नलिखित शब्दों में से अशुद्ध शब्द छाँटकर लिखिए:**

प्रशस्त, निरवीर्य, भयंकर, निश्तेज, संतप्त, निष्सफलता, निष्प्राण, निष्प्रमाण, निष्परिणाम

**उत्तर:** निरवीर्य, निश्तेज, निष्सफलता, निष्प्रमाण

**कृ.6. रेखांकित वाक्यांश के बदले कोष्ठक में दिए सही मुहावरे को चुनकर लिखिए:**

**(दुम दबा कर भागना, दुबका लेना, चारा न मिलना)**

1. बेटे को रोता देख माँ ने उसे अपने आँचल में <u>छिपा लिया</u>।
2. बस की हड़ताल होने के कारण गुंजन के पास घर पैदल जाने के अलावा कोई <u>विकल्प नहीं था</u>।

**उत्तर:** 1. दुबका लेना 2. चारा न मिलना

**कृ.7. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए:**

1. मुँह दुबकाए लेटे रहने का भी लाचारी उसके पाले न रहने दी गई।
2. साँप ने अंत में एकत्रित समूह की मनोरंजन किया ही।

**उत्तर:** 1. मुँह दुबकाए लेटे रहने **की** भी लाचारी उसके पाले न रहने दी गई।

2. साँप ने अंत में एकत्रित समूह **का** मनोरंजन किया ही।

**कृ.8. उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके निम्नलिखित वाक्य पुन: लिखिए:**

1. देखा कि वही है जो चाहता है कि वह साँप चारों ओर एकत्र हुए लोगों को अपने निष्फल निर्वीर्य आवेश का प्रदर्शन करके दिखाए हाय यह लाचारी

**उत्तर:** देखा कि वही है, जो चाहता है, कि वह (साँप) चारों ओर एकत्र हुए लोगों को अपने निष्फल, निर्वीर्य आवेश का प्रदर्शन करके दिखाए – हाय! यह लाचारी।

कृ.9. निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग अलग करके मूल शब्द लिखिए:

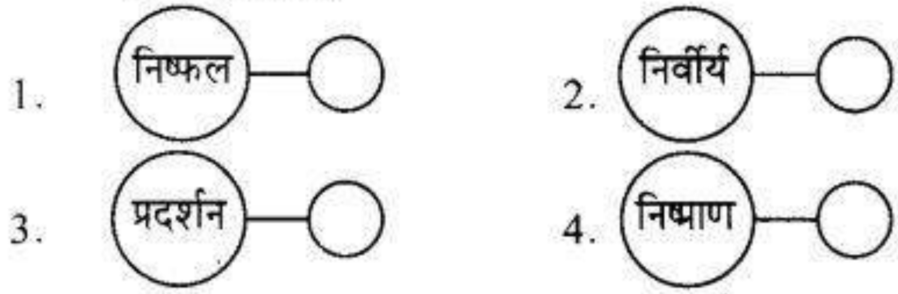


उत्तर: 1. फल    2. वीर्य

3. दर्शन    4. प्राण

कृ.10. निम्नलिखित शब्दों में प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाइए:

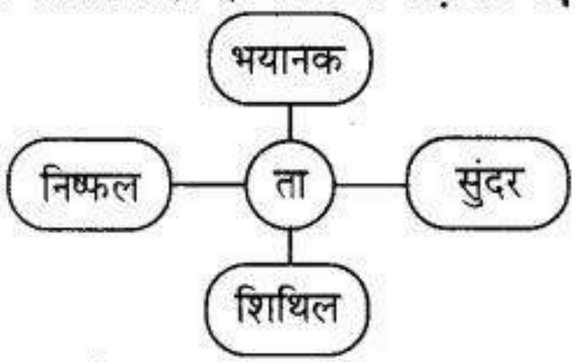


उत्तर: 1. निष्फल + ता = निष्फलता

2. भयानक + ता = भयानकता

3. सुंदर + ता = सुंदरता

4. शिथिल + ता = शिथिलता

**कृ.11.रेखांकित शब्दों के अव्यय भेद पहचानकर लिखिए:**

1. उसके ऊपर सँपेरे के मुँह से लगी बीन बज रही थी।
2. साँप सदा कहा करता – 'हे भगवान!'

**उत्तर:** 1. ऊपर (संबंधसूचक अव्यय)

2. 'हे भगवान!' (विस्मयादिबोधक अव्यय)

**कृ.12.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त संज्ञाएँ खोजकर लिखिए:**

1. सँपेरा साँप के शरीर पर बीन से चोट देने लगा।
2. फन जो कभी भयंकर था और अब खिलौना है।

**उत्तर:** 1. सँपेरा, साँप, शरीर, बीन, चोट

2. फन, भयंकर, खिलौना

**कृ.13.निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त विशेषण खोजकर लिखिए:**

1. सँपेरा चाहता है कि साँप चारों ओर एकत्र हुए लोगों को अपने निष्फल, निर्वीर्य आवेश का प्रदर्शन करके दिखाए।
2. लोगों को संतुष्ट करके हारा, थका, जी में संतप्त और त्रस्त साँप अपने घर में बंद हुआ।

**उत्तर:** 1. निष्फल, निर्वीर्य

2. हारा, थका, संतप्त, त्रस्त, अपने

**कृ.14.निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त सर्वनाम खोजकर लिखिए:**

1. उसे फन उठाना ही होगा।
2. उसके ऊपर सँपेरे की बीन बज रही थी।

**उत्तर:** 1. उसे 2. उसके

**कृ.15.निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाएँ छाँटकर लिखिए:**

1. साँप ने अपना फन उठाया।
2. सँपेरे ने बीन बजाई।

**उत्तर:** 1. उठाया (उठाना) 2. बजाई (बजाना)

**कृ.16.कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य पुन: लिखिए:**

1. भगवान का भेजा हुआ सँपेरा बीन बजा रहा था।
(सामान्य भविष्यकाल)
2. साँप के भीतर से उठ रहा है कि हे भगवान!
(पूर्ण भूतकाल)

**उत्तर:** 1. भगवान का भेजा हुआ सँपेरा बीन बजाएगा।
2. साँप के भीतर से उठा था कि हे भगवान!

**पाठ पर आधारित प्रश्नोत्तरी**

**कृ.1. दर्शकों के बीच साँप किस तरह लाचार बन गया था?**

**उत्तर:** विष निकल जाने पर साँप केवल दर्शकों के मनोरंजन का एक खिलौना मात्र बनकर रह गया था। जब वह सँपेरे द्वारा प्रताड़ित किए जाने पर भीड़ के सामने अपना फन फैलाकर उठाता, तो उसे महसूस होता कि विष निकल जाने पर उसकी तेजस्विता का जरा-भी सम्मान और भय लोगों में नहीं है, तब वह क्षोभ से भर जाता। वह अशक्त, निरुपाय और क्रोध की ज्वाला में भीतर-ही-भीतर जलकर विक्षुब्ध हो गया। फिर वह अपनी पूँछ में मुँह छिपाकर, आँखे मूँदकर धरती पर लोट गया। इस प्रकार अपनी शक्ति और सामर्थ्य खो चुका साँप दर्शकों के बीच लाचारी की अवस्था में न जग को देखना चाहता था, न स्वयं ही दीखना चाहता था। वह अपनी इस लाचारी से छुटकारा पाने के लिए अपने प्राण निकलने की प्रतीक्षा करने लगा।

## स्वमत अभिव्यक्ति

**कृ.1. तमाशा दिखाने के लिए बेजुबान जानवरों का उपयोग करने के संदर्भ में आपकी राय।**

**उत्तर:** मेरे अनुसार तमाशा दिखाने के लिए जानवरों का उपयोग करना पूरी तरह से गलत है। वन्यजीव संरक्षण कानून के अनुसार किसी वन्यजीव को पालना, उनसे काम लेना गैर कानूनी है। किसी भी वन्यजीव को पालना अत्याचार और हिंसा की श्रेणी में आता है। हमें इन मूक जीवों पर दया करनी चाहिए। इन जीवों को अपने स्वार्थ के लिए इस्तेमाल करने के बजाए, उन्हें उन्हीं की जीवन-परिस्थितियों में रहने देना चाहिए। इन जीवों को पालने से पारिस्थितिकी-तंत्र पर भी विपरीत असर पड़ता है।